

प्रेस विज्ञप्ति

## जामिया ने राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया

नई दिल्ली, 24 दिसंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI), नई दिल्ली के गणित विभाग ने 22 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय गणित दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, ताकि महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती मनाई जा सके और उनकी स्थायी विरासत का जश्न मनाया जा सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गणितीय जागरूकता को बढ़ावा देना, युवा शोधार्थियों को प्रेरित करना और गणितीय अनुसंधान में समकालीन विकास को उजागर करना था।

संगोष्ठी की शुरुआत जामिया मिल्लिया इस्लामिया के यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में आयोजित एक उद्घाटन समारोह से हुई। उद्घाटन सत्र में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिन्होंने छात्रों और शोधकर्ताओं के बीच वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और गणितीय प्रतिभा को पोषित करने में राष्ट्रीय गणित दिवस के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि, प्रो. सईद उद्दीन, डीन, विज्ञान संकाय, जेएमआई ने सभा को संबोधित किया और रामानुजन के योगदान के वैश्विक प्रभाव और अंतर-विषयक अनुसंधान और राष्ट्रीय विकास में गणित की भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में जेएमआई के गणित विभाग के प्रमुख प्रो. अरशद खान ने भी स्वागत भाषण दिया, जिन्होंने मेहमानों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और संगोष्ठी के उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

संगोष्ठी के शैक्षणिक सत्रों में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिष्ठित गणितज्ञों द्वारा दिए गए पांच आमंत्रित व्याख्यान शामिल थे। आमंत्रित वक्ताओं में प्रो. अजय कुमार (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. के. श्रीनाथ (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली), प्रो. वाहिद रूमी (अजरबैजान विश्वविद्यालय, ईरान), प्रो. ओविडियू बगदासर (यूनिवर्सिटी ऑफ डर्बी, यूनाइटेड किंगडम), और प्रो. शांता लैशराम (भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली) शामिल थे। प्रत्येक वक्ता ने गणितीय अनुसंधान के समकालीन क्षेत्रों पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किए, जिसमें सैद्धांतिक गहराई को अनुप्रयोगों के साथ मिलाया गया, और श्रीनिवास रामानुजन द्वारा अनुकरणीय नवाचार की भावना को दर्शाया गया। व्याख्यानों ने सक्रिय चर्चाओं को जन्म दिया और प्रतिभागियों, विशेष रूप से शोधार्थियों और स्नातकोत्तर छात्रों को मूल्यवान अनुभव प्रदान किया।

संगोष्ठी में 80 से अधिक प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संकाय सदस्य, पीएचडी शोधार्थी और एमएससी छात्र शामिल थे, साथ ही भारत के विभिन्न हिस्सों के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी भी शामिल थे। इंटरैक्टिव सत्रों ने प्रतिभागियों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान, नेटवर्किंग और बौद्धिक जुड़ाव को सुविधाजनक बनाया। इस कार्यक्रम को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के गणित विभाग के डॉ. अखलाक हुसैन और प्रो. एम. याह्या अब्बासी ने कुशलता से कोऑर्डिनेट किया, जिनके प्रयासों से संगोष्ठी का सुचारू संचालन और शैक्षणिक सफलता सुनिश्चित हुई।

कुल मिलाकर, राष्ट्रीय गणित दिवस पर संगोष्ठी एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम था जिसने श्रीनिवास रामानुजन की विरासत का उचित सम्मान किया और गणित में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।